भजन

इशारा तेरी रहमत का मेरी सरकार ना होता
के उजड़े दिल के गुलशन में गुलो गुलजार ना होता

1–गिरे थे अर्श से इस फर्श पर बनके हम मोती
न चुनते हंस बन कर के जो तेरा प्यार न होता

2–पिरोए प्यार के मनके ये कलियां अर्श की चुनकर
मेरे दिलबर ने पहने है गले का हार ना होता

3–जो पकड़ा हाथ है मेरा जान कर धाम की अंगना
धनी मेरे मैं धनी की हूं तू मेरा भरतार ना होता